भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान, खंडवा रोड, इन्दौर-452001

फ़ाइल् क्रमांक. प्रेस नोट/प्रेस व पब्लिसिटी/2022/51

भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान इंदौर द्वारा दिनांक 27 सितम्बर 2021 को "सोयाबीन की उन्नत किस्मों/तकनिकी पर प्रदर्शन प्लाट का सजीव प्रसारण " का आयोजन

भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान (आई,सी.ए.आर. - आई.आई.एस.आर.) द्वारा दिनांक 27 सितम्बर 2022 को अपने 'YouTube चैनल' एवं एवं 'फेसबुक पेज' के माध्यम से अनुसन्धान प्रक्षेत्र पर लगाए गए **"सोयाबीन की उन्नत किस्मों/तकनिकी पर प्रदर्शन प्लाट"** का लाइव प्रसारण किया गया. कार्यक्रम के प्रारंभ में संस्थान के डॉ बी.यु.दुपारे (प्रधान वैज्ञानिकी एवं विभागाध्यक्ष-फसल उत्पदन) द्वारा अपने प्रारंभिक उद्बोधन में इस प्रसारण के उद्धेश्य बताते हुए कहाँ कि इस वर्ष संस्थान द्वारा विगत दो वर्षो के दौरान जारी कई किस्मों में से कुल 14 नवीनतम किस्मों को प्रदर्शनार्थ लगाया गया है. उन्होंने यह भी बताया कि इस माह के दौरान कई जिलों से 300 से अधिक प्रगतिशील कृषकों ने इंदौर आकर संस्थान के प्रदर्शन प्लाट में लगायी किस्मों की जानकारी प्राप्त की. डॉ दुपारे के अनुसार इस सजीव प्रसारण का आयोजन देश एवं प्रदेश के छोटे एवं सीमांत कृषकों के लिए विशेष रूप से किया गया जिसमे वे अपने घर बैठे मोबाइल फ़ोन पर सोयाबीन किस्मों एवं सम्बंधित तकनिकी की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं.

इस अवसर पर प्रभारी निदेशक डॉ संजय गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि इस "लाइव वर्चुअल विजिट" से कम समय में अधिक से अधिक किसानों तक संस्थान द्वारा विकसित नवीनतम सोयाबीन की किस्मों एवं अन्य तकनिकी को सीधे वास्तविक उपयोगकर्ता के पास ले जाने में सुविधा होगी. उन्होंने इस अवसर पर संस्थान से जुड़े सोयाबीन कृषकों एवं दर्शकों से कहाँ कि एक ही किस्म जैसे जे.एस. 95-60 की खेती करने के स्थान पर अपने जलवायु के अनुकूल 2-3 सोयाबीन किस्मों को लगाना चाहिए. उनके अनुसार वर्तमान में ऐसी कई किस्मे उपलब्ध हैं, जैसे NRC 130, NRC 138, NRC 142 जो कम समय में पकने के साथ-साथ अधिक उत्पादन देने में सक्षम हैं. इसी प्रकार संस्थान के फसल संरक्षण विभाग के अध्यक्ष डॉ महावीर प्रसाद शर्मा ने अपने संबोधन में इस वर्ष कीट एवं रोग नियंत्रण हेतु संस्थान द्वारा सुझाये गए प्रबंधन तरीकों को साप्ताहिक सलाह या सम्बंधित विषय पर विडियो के माध्यम से सोया कृषकों में भेजकर नियंत्रण के उपायों को प्रभावी तरीकों से किये जाने की जानकारी दी.

भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान के अनुसन्धान प्रक्षेत्र पर लगभग 1 हेक्टेयर क्षेत्र पर इस वर्ष देश के विभिन्न क्षेत्रों/राज्यों के लिए अनुशंषित, कुल 14 सोयाबीन नई किस्मों (एन.आर.सी. 130, एन.आर.सी. 138, एन.आर.सी. 142, एन.आर.सी. 150, एन.आर.सी. 152, एन.आर.सी. 127, एन.आर.सी. 128, एन.आर.सी. 136, जे.एस. 21-72, हिम्सो 1689, आर.वी.एस.एम. 2011-35, आर.एस.सी. 1046, आर.एस.सी. 1052, तथा ए.एम.एस. 100-39) को विभिन्न क्षेत्रों से नई तकनिकी को जानने एवं देखने के लिए प्रदर्शन के रूप में लगाया गया हैं, जिनको कृषकों को संस्थान आने में हो रही कठिनाइयों के चलते विशेष रूप से सीधे सोया-कृषकों तक पहुँच कर सम्बंधित किस्मों के प्रजनकों तथा संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा जानकारी के साथ-साथ कृषकों के प्रश्नों, शंकाओं एवं सुझावों का लाइव निराकरण किया गया. इस अवसर पर संस्थान के प्रजनक डॉ. संजय गुप्ता, डॉ. विनीत कुमार, डॉ अनीता रानी, डॉ शिवाकुमर एवं डॉ एम.पी शर्मा के साथ डॉ बी.यू.दुपारे द्वारा प्रत्यक्ष प्रदर्शन प्लाट पर उन किस्मों के पौधे दिखाकर वैज्ञानिक चर्चा की गई एवं इस वर्चुअल विजिट के सजीव प्रसारण में उपस्थान लगभग 750 कृषकों को सम्बंधित जानकारी दी गई. इस सम्पूर्ण लाइव प्रसारण कार्यक्रम के आयोजन एवं समन्वयन भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान के डॉ. बी.यू. दुपारे, प्रधान वैज्ञानिक (कृषि विस्तार) व डॉ. सविता कोल्हे, प्रधान वैज्ञानिक (संगणक अनुप्रयोग) द्वारा किया गया।

……..